



प्रीलमिस फैक्ट्स: 26- 07- 2019

- [सकियूरटीपीडिया और CISF Tube](#)
- [कारगलि वजिय दविस](#)
- [‘ट्रांस फैट फरी’ लोगो](#)

सकियूरटीपीडिया और CISF Tube

Securitypedia And CISF Tube

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (Central Industrial Security Force- CISF) ने सकियूरटीपीडिया (Securitypedia) नामक एक ऑनलाइन विश्वकोश (Encyclopedia) की शुरुआत की है।

- CISF ने अपने कर्मचारियों के लाए **CISFTube** नामक अनुकूलति वीडियो इंटरफ़ेस भी लॉन्च किया है।
- इसका उद्देश्य सगिल बटन क्लिक करके CISF के कर्मचारियों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना एवं उन्हें सशक्त बनाना है।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

Central Industrial Security Force- CISF

- CISF (Central Industrial Security Force) एक केंद्रीय सशस्त्र बल है जसि 'केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 1968' के तहत गठित किया गया था।
- यह केंद्रीय गृह मन्त्रालय के अधीन आता है।
- CISF पूरे भारत में स्थित औद्योगिक इकाइयों, सरकारी अवसंरचना परियोजनाओं और सुविधाओं तथा प्रतिषिठानों को सुरक्षा कवच प्रदान करता है।
- परमाणु ऊर्जा संयंतरों, खदानों, तेल क्षेत्रों और रफिइनरियों, मेट्रो रेल, प्रमुख बंदरगाहों आदि जैसे औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा का ज़मिमा CISF ही उठाता है।

भारत में अन्य केंद्रीय सशस्त्र बलों में केंद्रीय रजिस्टर पुलसि बल (Central Reserve Police Force-CRPF), सीमा सुरक्षा बल (Border Security Force-BSF), भारत-ताबिक सीमा पुलसि (Indo-Tibetan Border Police-ITBP), सशस्त्र सीमा बल (Sashastra Seema Bal-SSB) शामिल हैं।

कारगलि वजिय दविस

Kargil Vijay Diwas

26 जुलाई, 1999 को कारगलि युद्ध (Kargil War) में वजिय हासलि करने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्षकारगलि वजिय दविस (Kargil Vijay Diwas) मनाया जाता है।

- इस वर्ष कारगलि वजिय दविस की **20वीं वर्षगाँठ मनाई जा रही है** जसिकी थीम 'रमिंबर, रजिझ एंड रनियू' (Remember, Rejoice and Renew) है।
- कारगलि युद्ध को अँपरेशन वजिय के नाम से भी जाना जाता है।
- भारत और पाकिस्तान के बीच मई से जुलाई 1999 के बीच कश्मीर के कारगलि क्षेत्र में हुए सशस्त्र संघर्ष को ही कारगलि युद्ध (Kargil War) कहा जाता है। यह लगभग 60 दिनों तक चला तथा **26 जुलाई, 1999** को समाप्त हुआ था।
- इस युद्ध को जीतने के लिये भारतीय सेना ने दुरगम बाधाओं, दुश्मन के इलाकों, विपरीत मौसम एवं अन्य कठनियों को पार करते हुए वजिय प्राप्त की थी।

- इस युद्ध में भारतीय सेना के बहुत से जवान शहीद और घायल हुए। सेना के अदम्य साहस एवं बलदिन के सम्मान में यह दविस मनाया जाता है।

‘ट्रांस फैट फ्री’ लोगो

‘Trans Fat Free’ Logo

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) के अधिसूचित मानदंडों के अंतर्गत पैकेजेड फूड कंपनियों को अब उनके आउटलेट तथा उत्पादों पर ‘ट्रांस फैट फ्री’ लोगो का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी।

- उल्लेखनीय है कि FSSAI ने बेकरी, मिठाई की दुकानों, रेस्तरां को पहले से ही ‘ट्रांस फैट फ्री’ लोगो जारी करने की अनुमति दी हुई है।
- FSSAI ने बेकरी, मिठाई की दुकानों और अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों/प्रतिष्ठानों को खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट सामग्री को कम करने हेतु स्वस्थ वसा या तेल का उपयोग करने के लिये प्रतोत्साहित किया है।
- FSSAI के नए मानदंडों के अनुसार, ‘ट्रांस फैट फ्री’ लोगो लगाने की अनुमति केवल उन्हीं को दी जा सकती है, जनिके उत्पादों में प्रति 100 ग्राम या भोजन के 100 मलीलीटर में ट्रांस फैट की मात्रा 0.2 ग्राम से कम है।

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण

Food Safety and Standards Authority of India- FSSAI

- इसकी स्थापना खाद्य संरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत की गई है जो उन वभिन्न अधिनियमों एवं आदेशों को समेकति करता है जिसने अब तक वभिन्न मंत्रालयों तथा वभिगों में खाद्य संबंधी विषयों का निपटान किया है।
- FSSAI की स्थापना खाद्य वस्तुओं के लिये वजिज्ञान आधारत मानकों का निर्धारण करने और मानव उपभोग के लिये सुरक्षित और पौष्टिक आहार की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उनके वनिरिमाण, भंडारण, वतिरण, बकिरी तथा आयात को वनियिमति करने के लिये की गई है।
- FSSAI के कार्यान्वयन के लिये स्वास्थ्य एवं परविवार कल्याण मंत्रालय प्रशासनिक मंत्रालय है।

ट्रांस फैट

Trans Fat

- तरल वनस्पतिलों को अधिक ठोस रूप में परविरत्ति करने तथा खाद्य के भंडारण एवं उपयोग अवधि (Shelf Life) में वृद्धि करने के लिये इन तेलों का हाइड्रोजनीकरण किया जाता है, इस प्रकार संतृप्त वसा या ट्रांस फैट का निर्माण होता है।
- ट्रांस फैट बड़े पैमाने पर वनस्पति, नकली या कृत्रमि मक्खन (Margarine), वभिन्न बेकरी उत्पादों में मौजूद होते हैं तथा ये तले हुए या पके हुए खाद्य पदार्थों में भी पाए जा सकते हैं।
- FSSAI 2022 तक चरणबद्ध तरीके से औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस फैटी एसडि को 2% से कम करने के लिये प्रतिबिधि है।
- वैश्वकि स्तर पर ट्रांस फैट के सेवन से हर साल 500,000 से अधिक लोगों की मौत हृदय संबंधी बीमारियों (Cardiovascular Disease) के कारण होती है।